Bareilly, Monday, 30 March 2026

दैनिक जागरण inext

PAGE NO, 04, TOP

SRMS रिद्धमा थिएटर में महाभारत पर आधारित नाटक का हुआ मंचन

'कोमल गांधार' में गांधारी के अंतर्मन की पीड़ा ने झकझोरा

गांधारी ने अपने अंतर्मन, पीड़ा, संघर्ष और वैचारिक शक्ति को किया आत्मसात

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (29 March): एसआरएमएस रिद्धमा के प्रेक्षागृह में रविवार को शंकर शेष लिखित और विनायक श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक 'कोमल गांधार' का मंचन हुआ. महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस नाटक में गांधारी के चरित्र को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया. जहां परंपरागत कथाओं में गांधारी को केवल एक आदर्श पत्नी और माता के रूप में दिखाया गया है, वहीं नाटक 'कोमल गांधार' उनके अंतर्मन, उनकी पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी वैचारिक शक्ति को केंद्र में लाता है.

भविष्य के लिए ठीक नहीं है

नाटक में गांधारी के माध्यम से व्यक्तिगत त्रासदी, बल्कि सामाजिक और नैतिक प्रश्नों को भी प्रभावशाली ढंग से उठाया गया. यह प्रस्तुति दर्शकों को स्त्री-अस्मिता, त्याग, सत्ता और धर्म के जटिल संबंधों पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है. नाटक का आरंभ भीष्म द्वारा संजय के साथ गांधारी को धृतराष्ट्र से विवाह के लिए गांधार से हस्तिनापुर लेकर लाने से होता है. साथ में शकुनि भी आता है. गांधारी को पता नहीं है कि धृतराष्ट्र अन्धा है. यह जानकारी होने के बाद भी गांधारी धृतराष्ट्र से विवाह कर लेती हैं. वह विवाह मंडप में इस दुनिया को नहीं देखने की प्रतिज्ञा के साथ अपनी आंखों पर पट्टी बांध लेती हैं.

नाटक में कलाकारों ने अपने भावपूर्ण अभिनय से दर्शकों को बांधे रखा.

नाटक मंचन में इनकी रही भूमिका

नाटक में गांधारी की भूमिका अनमोल मिश्रा और धृतराष्ट्र की भूमिका पंकज कुकरेती ने निभाई. विनायक श्रीवास्तव (भीष्म), मानेश यादव (संजय), शिवम् यादव (शकुनि), विषा गंगवार (दासी), गौरव कार्की (दुर्योधन) ने भी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया. आयुष, तन्मय, श्रीजेश, शिवम् ने सिपाहियों का रोल किया. नाटक में इंस्ट्रूमेंट गुरुओं सूर्यकान्त चौधरी (वायलिन), ऋषभ आशीष पाठक (पखावज), डैरिक (कीबोर्ड), विशेष सिंह (गिटार) ने अपने वाद्ययंत्रों के माध्यम से और गायन गुरु सात्विक मिश्रा और प्रियंका ग्वाल भी उपस्थिति रहे. इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा.आशीष कुमार, डा.रीता शर्मा और गण्यमान्य लोग मौजूद रहे.

युद्ध में भीम से हुआ पराजित

अगले दृश्य में शकुनि धृतराष्ट्र को समझाता है कि वो उसकी बहन गांधारी से मिले और उत्तराधिकारी की बात करे. क्योंकि पाण्डु का पुत्र हो गया तो भीष्म उसी को सत्ता सौंप देंगे. तब धृतराष्ट्र गांधारी से मिलने जाता है और उत्तराधिकारी की बात कहता है, गांधारी कहती है कि उसने मना तो नहीं किया और उसे ताने मरती है इतनी धन दौलत से खरीदे हुए शरीर का कुछ तो उपयोग होना चाहिए. कुछ समय बाद दुर्योधन पैदा होता है. धृतराष्ट्र बहुत प्रसन्न होता है. समयांतराल के बाद गांधारी धृतराष्ट्र से कहती है कि वो दुर्योधन को समझाएं.